वर्तमान का यथार्थ है एआई: अविनाश

गोरखपुर(एसएनबी)। दीदउ गोविवि के श्री गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ में 'एआई फॉर एवरीवन' विषय पर एक विचारोत्तेजक व्याख्यान का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अविनाश त्रिपाठी के साथ शिक्षक व छात्र-छात्राएं।

के मुख्य अतिथि व वक्ता अमेरिका के विख्यात डेटा एवं एआई विशेषज्ञ अविनाश त्रिपाठी ने अपना विशद व्याख्यान दिया। वह वर्तमान में यूनिवर्सिटी ऑफ फीनिक्स के वाइस प्रेसिडेंट हैं।

श्री त्रिपाठी ने अपने संबोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोई भविष्य की तकनीक नहीं, बल्कि वर्तमान का यथार्थ है, और इसका असर अब केवल इंजीनियरों या वैज्ञानिकों तक सीमित नहीं है। उन्होंने बताया कि एआई का प्रभाव नौकरी, स्वास्थ्य, शिक्षा और शासन जैसे हर क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि आज का युवा चैट जीपीटी, गूगल टीचेबल मशीन, कैनवा, मैजिक स्टूडियो टूल्स जैसी तकनीकों के माध्यम से बिना कोडिंग के भी एआई का अनुभव प्राप्त कर सकता है। श्री त्रिपाठी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे अंग्रेजी या तकनीकी ज्ञान की चिंता किए बिना, जिज्ञासा, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ एआई की दुनिया में कदम रखें। समझना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता है। जो इसे

■ गुरु गोरक्षनाथ शोधपीठ में एआई पर व्याख्यान

समझेगा, वही भविष्य का निर्माण करेगा। उन्होंने एआई के साथ जुड़े जोखिमों जैसे डेटा गोपनीयता, जॉब ऑटोमेशन और एल्गोरिथमिक पक्षपात पर भी चर्चा की और छात्रों को समझदारी से कोड करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में विवि की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, प्रो. शांतनु रस्तोगी, प्रो. हिमांशु पांडेय, प्रो.एस.एन.तिवारी, प्रो.मनीष मिश्रा, प्रो. उपेंद्र नाथ त्रिपाठी, प्रो. राजीव त्रिपाठी समेत कंप्यूटर साइंस, इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी के कई फैकल्टी एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

Title of the Talk: AI for Everyone

Source: Rashtriya Sahara ePaper : No 1 newpaper of hindi | hindi epaper, News paper hindi , गोरखपुर rashtriyasahara | rashtriyasahara.com